बाइबिल के नीतिवचन और कहावतें: दैनिक जीवन के लिए परमेश्वर
की बुद्धि

स्वाहिली भाषा में “कहावत का खेल” और “कहावतें”—दोनों का ही अर्थ है छोटी, लेकिन गहरी समझ देने वाली बातें, जो जीवन के अनुभवों को सरल शब्दों में समझाती हैं। नीतिवचन बड़ी सच्चाइयों को छोटी और प्रभावी पंक्तियों में समेटते हैं। कुछ सीधे समझ में आते हैं, जबकि कुछ अपने पूरे अर्थ को जानने के लिए थोड़ा मनन चाहते हैं।

उदाहरण के लिए यह कहावत:

“ जरूरत में काम आने वाला दोस्त ही सच्चा दोस्त होता है। .” अर्थात्—सच्चा मित्र वही है जो मुश्किल समय में आपका साथ न छोड़े। यह उसी बाइबिलीय सिद्धांत जैसा है:

नीतिवचन 17:17 (ERV-Hindi)
“मित्र हर समय प्रेम रखता है और भाई का जन्म विपत्ति के समय
के लिए होता है।”

स्वाहिली की एक और कहावत है:

“जो चीज़ बिस्तर के नीचे है, उसे लेने के लिए झुकना ही पड़ेगा।” अर्थ सहज है: जीवन में जो मूल्यवान है, उसे पाने के लिए आपको

नम्र होना पड़ता है, मेहनत करनी पड़ती है और कभी-कभी मूल्य भी चुकाना पड़ता है। यह उसी बाइबिलीय सच्चाई के समान है कि बुद्धि, सफलता और आशीष प्रयास और त्याग चाहती हैं।

लूका 14:28 (ERV-Hindi)
“तुममें से जब कोई मीनार बनाना चाहता हो तो क्या वह बैठकर यह नहीं गिनता कि क्या उसके पास उसे पूरा करने के लिए पर्याप्त
धन है या नहीं?”

बाइबिल के नीतिवचन: केवल मानवीय विचार

नहीं, बल्कि परमेश्वर की प्रेरित

बुद्धि

बाइबिल सिर्फ इतिहास या आज्ञाओं की किताब नहीं—यह परमेश्वर द्वारा प्रेरित वचन है (2 तीमुथियुस 3:16)। इसमें सांत्वना भी है, शिक्षा भी, सुधार भी, और अनेक दिव्य नीतिवचन भी, जो मानव कहावतों से कहीं गहरे हैं।

अधिकांश नीतिवचन राजा सुलेमान ने लिखे—दाऊद के पुत्र। सुलेमान ने परमेश्वर से धन या सत्ता नहीं, बल्कि बुद्धि मांगी ताकि वह लोगों का न्याय ठीक से कर सके। परमेश्वर उसकी नम्रता से प्रसन्न हुए और उसे अद्वितीय बुद्धि दी (1 राजा 3:9-12)।

1 राजा 4:29–34 (ERV-Hindi संदर्भ अनुसार सार)
“परमेश्वर ने सुलेमान को बहुत बड़ी बुद्धि और समझ दी… उसने
तीन हज़ार नीतिवचन कहे… और सब राष्ट्रों के लोग उसकी
बुद्धि सुनने आते थे।”

आज भी सुलेमान के नीतिवचन इसलिए पढ़े जाते हैं क्योंकि उनमें जीवन के हर क्षेत्र—रिश्तों, व्यवहार, धन, वाणी, काम और आत्मिक जीवन—के लिए परमेश्वर की बुद्धि है।

दैनिक जीवन पर लागू होने वाले बाइबिल

के नीतिवचन

1. शत्रुओं के साथ कैसा व्यवहार करें

मानव स्वभाव है कि किसी शत्रु के गिरने पर मन प्रसन्न हो जाए;

लेकिन परमेश्वर इससे बिल्कुल विपरीत सिखाते हैं।

नीतिवचन 24:17–18 (ERV-Hindi)
“अपने शत्रु के पतन पर आनंद मत कर, और उसके ठोकर खाने पर तेरे
मन को प्रसन्न न होने दे; ऐसा न हो कि यहोवा को बुरा लगे और
वह अपना कोप उससे फिर ले।”

यीशु ने भी यही सिद्धांत सिखाया:

मत्ती 5:44 (ERV-Hindi)
“परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ, अपने शत्रुओं से प्रेम करो… जो तुमसे बैर करते हैं, उनके साथ भलाई करो…”

क्षमा और दया वही व्यक्ति दिखाता है जिसका हृदय परमेश्वर की कृपा से बदला हो।

नीतिवचन 25:21–22 (ERV-Hindi)
“यदि तेरा बैरी भूखा हो तो उसे भोजन दे; और यदि वह प्यासा हो तो उसे पानी पिला… तब तू उसके सिर पर अंगारों का ढेर लगाएगा

और यहोवा तुझे प्रतिफल देगा।”

अर्थ: दुष्टता का उत्तर भलाई से देने पर व्यक्ति स्वयं को अपराध-बोध में पाता है और परमेश्वर भी इससे प्रसन्न होते हैं।

2. जीवन में सही मार्ग चुनना

नीतिवचन 14:12 (ERV-Hindi)
“एक मार्ग मनुष्य को ठीक जान पड़ता है, परन्तु उसका अंत
मृत्यु ही है।”

हर वह रास्ता जो हमें अच्छा लगे, जरूरी नहीं कि वह परमेश्वर का रास्ता हो। मनुष्य की बुद्धि सीमित है और अंधकार में भी भटक सकती है (यिर्मयाह 17:9)। इसलिए हमें परमेश्वर के वचन की रोशनी चाहिए।

भजन 119:105 (ERV-Hindi)
“तेरा वचन मेरे पांव के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए
ज्योति है।”

लोकप्रिय विचार, भावनाएँ या अनुभव धोखा दे सकते हैं—परन्तु परमेश्वर का वचन हमेशा सत्य और जीवन की ओर ले जाता है।

3. बाइबिल — दिव्य बुद्धि का सच्चा स्रोत

नीतिवचन, सभोपदेशक, भजन संहिता और अय्यूब की पुस्तकें परमेश्वर की गहरी बुद्धि से भरी हुई हैं। वे हमें परमेश्वर का भय मानना, सही बोलना, मेहनती होना और नम्र बने रहना सिखाती हैं।

2 तीमुथियुस 3:16–17 (ERV-Hindi)
“हर एक पवित्र शास्त्र… शिक्षा, ताड़ना, सुधार और
धार्मिकता में शिक्षित करने के लिए उपयोगी है…”

नियमित बाइबिल-पठन मन को खोलता है, आत्मा को मजबूत करता है और जीवन में स्पष्ट दिशा देता है।

आज ही शुरू करें—और परमेश्वर की

बुद्धि को अपनाएँ

यदि आप नीतिवचन की पुस्तक को नियमित रूप से नहीं पढ़ते, तो आज ही शुरुआत करें। इसमें आपको जीवन के हर पहलू—रिश्तों, काम, निर्णय, भावनाओं और आत्मिक विकास—के लिए परमेश्वर का मार्गदर्शन मिलेगा।

कुछ नीतिवचन सीधे होते हैं, तो कुछ प्रतीकात्मक—लेकिन पवित्र आत्मा हमें उनकी समझ देता है।

याकूब 1:5 (ERV-Hindi)
“यदि तुममें से किसी को बुद्धि की घटी हो तो वह परमेश्वर से मांगे… और उसे दी जाएगी।”

परमेश्वर की बुद्धि उन सबके लिए उपलब्ध है जो नम्रतापूर्वक उसे खोजते हैं।

बाइबिल केवल धार्मिक पुस्तक नहीं—यह जीवन का मार्गदर्शक है। इसमें वह सच्चाई है जो हमें बदलती है, सही दिशा देती है और हृदय को स्थिर करती है।

आज ही बाइबिल पढ़ना शुरू करें।
परमेश्वर का वचन आपके विचारों को रूप दे, आपके कदमों को दिशा दे और आपके हृदय को सत्य से भर दे।

प्रभु आपको अपनी बुद्धि में चलने की आशीष दें।

Share on:
WhatsApp